

Fourteenth Loksabha**Session : 7****Date : 20-03-2006****Participants : Mehta Shri Alok Kumar**

an>

Title : Need to take effective measures to deal with the menace of floods in Bihar and Assam.

श्री आलोक कुमार मेहता (समस्तीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, बाढ़ देश के लिए एक विकराल समस्या है। इस समस्या का निदान कोई दो दिन की बात नहीं है। पिछले दो वर्षों से जब से यूपीए सरकार बनी है, तब से बाढ़ से संबंधित कई विधायक सदन में उठाए गए। दो वर्ष पहले बिहार और असम में बाढ़ बड़े विकराल रूप में आई थी। बिहार और असम ऐसे राज्य हैं, जहां बाढ़ अप्रत्याशित रूप से नहीं, प्रत्याशित रूप से आती है और प्रति वर्ष किसी न किसी रूप में विध्वंस करके जाती है। इस बार बेंगलोर और मुंबई में बाढ़ अप्रत्याशित रूप से आई थी। पिछले सत्र की बैठक में आपदा प्रबन्धन की जो बातें कही गई थी, उस समय सरकार ने आश्वासन दिया था और नियम बना कर प्रॉविजन किए थे। अभी चार महीने बाकी हैं। चार महीने बाद बिहार और असम में बाढ़ अपना विकराल रूप धारण करेगी। क्या उन्हीं चार-पांच दिनों के अन्दर आपदा प्रबन्धन द्वारा सारा इंतजाम करना सम्भव होगा? पिछले वर्षों का रिकॉर्ड देखा जाए। आपदा प्रबन्धन दो और चार दिन के अन्दर यदि आप चाहें पूरी राहत पहुंचा देगा, वह सम्भव नहीं है। मैं मांग करना चाहता हूं कि बांधों की मरम्मत हो और अभी से उसकी शुरुआत हो। बाढ़ आने तक बांधों की पूरी तरह से मरम्मत हो जाए। कई स्थानों पर कई अग्रेसिव नदियां हैं - जैसे बागमती और गंडक है जो कटाव का काम करती है और गांव के गांव समेट कर ले जाती है। वैसे बिन्दुओं को चिन्हित किया जाए और वहां बोल्टर पीचिंग कराया जाए। विशेष कर मेरा निर्वाचन क्षेत्र समस्तीपुर और दरभंगा, मधुबनी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र हैं। वहां के कुछ स्थान खरसर, कलंजर, नामापुर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र हैं। वहां पर 3-3 और 4-4 गांव और घर एक बार में समाप्त हो जाते हैं। वैसे स्थानों को चिन्हित करके बोल्टर पीचिंग कराया जाए। बाढ़ पीड़ित लोगों के जान-माल की सुरक्षा के लिए ऊंचा स्थान बनाने के लिए सरकार ने पैसा भी भेजा था, लेकिन उसका अभी तक कार्यान्वयन नहीं हुआ। आंशिक रूप से राहत कार्य अभी से शुरू किए जाएं। बाढ़ आने से पहले मोटर बोट की व्यवस्था की जाए ताकि आपदा सचमुच आए तो उसकी सरकार पहले से तैयारी कर ले।